भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.2901**
वाणिज्य विभाग

दिनांक 20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

कृषि उत्पादों का निर्यात

2901. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद वैश्विक स्तर पर कृषि उत्पाद की कीमतें अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद सस्ती हो गई हैं;
(ख) यदि हां, तो भारतीय कृषि निर्यात पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा;
(ग) क्या यह भी सच है कि पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में कृषि निर्यात में 11.6 प्रतिशत की गिरावट आई है;
(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और
(ङ) सरकार द्वारा कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ङ) संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा अनुरक्षित खाद्य मूल्य सूचकांक, जो मार्च 2022 में 159.7 के शिखर पर पहुंच गया था, नवम्बर, 2023 में घटकर 120.4 रह गया है, जो वैश्विक कृषि मूल्यों में नरमी को दर्शाता है।

अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में गिरावट के कारण 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 के दौरान चाय, मसाले, अनाज, काजू, ग्वारगम मील, ताजी सब्जियां, डेयरी उत्पाद, वनस्पति तेल, अरंडी का तेल, कपास आदि जैसे अनेक कृषि उत्पादों के निर्यात पर प्रति यूनिट मूल्य प्राप्ति में गिरावट आई है।

इस प्रकार, अप्रैल से सितम्बर, 2023 की अवधि के दौरान कृषि निर्यात में पिछले वर्ष की तदनुरूपी अवधि की तुलना में 11.6% की गिरावट आई है।

अंतर्राष्ट्रीय मूल्यों में गिरावट के अलावा, जिसने प्रति यूनिट मूल्य प्राप्तियों को प्रभावित किया है, घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गेहूं, गैर-बासमती चावल, चीनी और प्याज जैसे आवश्यक खाद्य उत्पादों के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने भी चालू वर्ष में कृषि निर्यातों के मूल्य में गिरावट में योगदान दिया है।

वाणिज्य विभाग बाजार पहुंच पहल (एमएआई) स्कीम और समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए), चाय बोर्ड, कॉफी बोर्ड, मसाला बोर्ड आदि की निर्यात संवर्धन योजनाओं के माध्यम से कृषि उत्पादों के निर्यात सहित निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, वाणिज्य विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक सांविधिक संगठन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। एपीडा अपनी निर्यात संवर्धन योजना के विभिन्न घटकों के तहत कृषि उत्पादों के निर्यातकों को सहायता प्रदान कर रहा है।

किसानों, किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और सहकारी समितियों को निर्यातकों के साथ सीधे बातचीत करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए एक किसान कनेक्ट पोर्टल भी विकसित किया गया है। निर्यात-बाजार संपर्क प्रदान करने के लिए क्लस्टरों में क्रेता विक्रेता बैठकें (बीएसएम) आयोजित की जाती हैं। निर्यात अवसरों का आकलन करने और उनका लाभ उठाने के लिए विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के साथ वीडियो कांफ्रेंसों के माध्यम से नियमित रूप से बातचीत की जाती है। भारतीय मिशनों के माध्यम से देश विशिष्ट बीएसएम भी आयोजित किए जाते हैं। इस क्षेत्र में बाजार पहुंच, व्यापार बाधाओं, स्वच्छता और पादप स्वच्छता संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जाते हैं।

****